**विवेक बिहार, शाहदरा दिल्ली और सफदरजंग एन्कलेव, नई दिल्ली में एक मंजिले क्वार्टर**

4572. **श्री निहाल सिंह :** क्या **निर्माण और आवास मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) दिल्ली विकास प्राधिकरण ने विवेक बिहार, शाहदरा दिल्ली और सफदरजंग एन्क्लेव, नई दिल्ली में कितने एक मंजिले फ्लैटों का निर्माण किया था और आवंटियों द्वारा उनमें से कितने फ्लैट बेच दिये गये हैं और कितने आवटियों ने फ्लैट नहीं बेचे हैं; और

(ख) क्या 15 वर्षों तक किस्तों का भुगतान किये जाने के बाद, दिल्ली विकास प्राधिकरण उन फ्लैटों को उन लोगों के नाम अन्तरित कर देगा और यदि नहीं, तो उसके क्या कारण हैं ?

**संसदीय कार्य तथा निर्माण और आवास मंत्री (श्री भीष्म नारायण सिंह) :**

(क) दिल्ली विकास प्राधिकरन ने सूचित किया है कि विवेक बिहार में 252 तथा सफदरजंग एन्कलेव में 207 सी० एस० पी० जनता फ्लैट निर्मित किए गये थे । उसने उपलब्ध रिकार्ड के आधार पर आगे कहा है कि किसी भी आवंटी द्वारा कोई फ्लैट नहीं बेचा गया है ।

(ख) दिल्ली विकास प्राधिकरण ने सूचित किया है कि फ्लैट की लागत का पूरा भुगतान लेने के बाद ही प्रतिहस्तान्तरण विलेख निष्पादित किया तथा आवंटी के नाम में पंजीकृत किया जाएगा ।

**दिल्ली के झुग्गी निवासी**

4573. **श्री निहाल सिंह :** क्या **निर्माण और आवास मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार इस शिकायत की जांच करायेगी कि जिन झुग्गी निवासियों को दिल्ली विकास प्राधिकरण द्वारा जो वकल्पिक प्लाट आवंटित किये जाते हैं वे उन्हें बेच देते हैं और किसी अन्य स्थान में झुग्गी बना लेते हैं और इस प्रकार समस्या ज्यों की त्यों बनी रहती है; और

(ख) यदि हां, तो दिल्ली में पुनर्विकास कालोनियों में कितने मूल आवंटी निवास कर रहे हैं और कितने आवंटी प्लाट बेच कर कालोनियां से चले गये हैं ?

**संसदीय कार्य तथा निर्माण और आवास मंत्री (श्री भीष्म नारायण सिंह) :** (क) जी, नहीं । सरकार ने पहले ही यह निर्णय लिया है कि झुग्गी झोंपड़ी प्लाटों के आवंटियों को स्वेच्छा से प्लाटों का अन्तरण करने का अधिकार नहीं होगा किन्तु उन्हें उनके द्वारा अदा की गई लागत प्राप्त हो जाने पर दिल्ली विकास प्राधिकरण को प्लाट वापिस करने का विकल्प होगा ।

(ख) दिल्ली विकास प्राधिकरण ने बताया है कि ऐसा कोई सर्वेक्षण नहीं किया गया है ।

**Availability of Consumption of Ceneals**

4574. SHRI H. N. HANJE GOWDA: SHRI R.P. DAS:

Will the Minister of AGRICWLTURE be pleased to stated

(a) what was the consumption of different cereals in the country during 1977, 1978 and 1979 in the country;

(b) what was the per capita availability of these items during each of these years;

(c) whether it is also a fact that there was a per capita decline in availability of cereals since 1978 and if so, the reasons for the same; and

(d) steps being taken to make availability of cereals better during 1982?

THE MINISTER OF STAT IN THE MINISTRIES OF AGRICULTURE AND RURAL DEVELOPMENT (SHRI R. V. SWAMINATHAN) (a) The net availability of different cereals for consumption in the country during 1977, 1978 and 1979 is indicated below:

(Thousand tonnes)

| Year | Rice | Wheat | Other cereals | Total cereals |
|---|---|---|---|---|
| 1977 | 38852 | 26800 | 23778 | 89430 |
| 1978 | 46223 | 29716 | 23593 | 99532 |
| 1979 | 48338 | 31258 | 23857 | 103453 |

(b) The per capita net availability of different cereals in each of the years 1977 to 1979 was as under:—

(Kilograms per year)

| Year | Rice | Wheat | Other cereals | Total cereals |
|---|---|---|---|---|
| 1977 | 62·1 | 42·8 | 38·0 | 142·9 |
| 1978 | 72·4 | 46·5 | 37·0 | 155·9 |
| 1979 | 74·3 | 48·0 | 36·6 | 158·9 |

Note : The total and per capita net availability is not strictly representative of the actual level of consumption as it does not take into account any changes in stocks in possession of traders, producers and consumers. The per capita availability figures are provisional.

(c) There has been a marginal decline in per capita net availability of cereals during 1980 and 1981 as compared to 1978 due to heavy shortfall in foodgrain production during the 1979-80 season and increase in population.

(d) The availability of cereals during 1982 is going to be better as a result of expected record production of cereals during 1981-82, measures taken to augment Government stocks and special efforts for increased production under the Action Programme to observe 1982-83 as Productivity Year.

**Extinction of rare bird species**

4575. DR. VASANT KUMAR PANDIT: Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state: